पाठ्य सामग्री

द्वितीय पत्र B.A. Part-I (Hon's)

(एशिया - प्रादेशिक अध्ययन)

Unit - III

—चीन में कृषि उत्पादन एवं इसकी विशेषताएँ

Gulam Haider ④ - F 786 C

Agriculture of Chaina

पूर्वी एशिया के देशों में चीन सबसे प्रमुख कृषि प्रधान देश है। कृषि यहाँ का प्राचीन तथा प्रधान व्यवसाय है। आज चीन की 65% जनसंख्या कृषि कार्य में लगी हुई है। यहाँ की केवल 12% भूमि पर कृषि की जाती है। चीन के कुल कृषि योग्य भूमि का योग 13 करोड़ हैक्टेयर है। प्रति व्यक्ति कृषि भूमि का औसत केवल .2 हैक्टेयर है। प्रति व्यक्ति कृषि भूमि का इतना कम औसत केवल जापान को छोड़कर विश्व में और कहीं नहीं है, जो निम्न तालिका से स्पष्ट हो जाता है।

देश	कृषि भूमि का प्रतिशत	प्रति व्यक्ति कृषि भूमि
चीन	10%	.2 हैक्टेयर
U.S.S.R.	6%	.7 "
Japan	15%	.1 "
U.S.A.	18%	1.0 "
India	38%	.3 "
Pakistan	17%	.4 "

—चीन में कृषि का विकास 1949 के बाद यहाँ की साम्यवादी सरकार के प्रयत्नों से हुआ। द्वितीय विश्व युद्ध से पूर्व यह 20 लाख टन खाद्य पदार्थों का आयात करता था। लेकिन साम्यवादी सरकार बनने के बाद यहाँ कृषि क्षेत्रों का विकास किया गया। तथा कृषि व्यवस्था और किसानों की हालत में अनेक सुधार किये गये। फलस्वरूप चीन में कृषि का विकास हुआ तथा उत्पादन में वृद्धि हुई और चीन केवल अपनी आवश्यकता की पूर्ति ही नहीं करने लगा बल्कि कुछ मात्रा में खाद्य पदार्थों तथा अन्य पदार्थों का निर्यात भी करने लगा। इस प्रकार चीन की राजनैतिक ~~दशा~~ दशाओं ने चीन की कृषि उत्पादन बढ़ने में बहुत सहायता की।

—चीन में सिंचाई के तीन साधन हैं - कुएँ, तालाब और ~~नहर~~ नहर

कुएँ :→ यह उत्तरी चीन में अधिक मिलते हैं। इसके द्वारा कुल सिंचित भूमि के लगभग 50% भाग की सिंचाई होती है। चीन में लगभग एक करोड़ कुएँ हैं। जो 2 करोड़ हैक्टेयर भूमि सींचते हैं।

तालाब :→ इससे सिंचाई दक्षिणी भागों में की जाती है। कुल सिंचित भूमि के 35% भाग की सिंचाई होती है। चीन में लगभग तालाबों की संख्या 40 लाख है। जो 40 लाख हैक्टेयर भूमि सींचते हैं।

नहर :→ नहरों द्वारा सिंचाई चीन की नदियों के बेसिन में की जाती है। नहरों द्वारा चीन की 15% सिंचित भूमि की सिंचाई होती है। नहरों द्वारा लगभग 60 लाख हैक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है। नहरों द्वारा सबसे अधिक सिंचाई - सेचवान, क्वान्सू, होनान, शान्तुंग, तथा क्यांग्सू प्रान्तों में की जाती है।

—चीन की ~~कृषि~~ कृषि की विशेषताएँ

① — चीनी किसान का खेत एक प्रकार बागीचा होता है, जिस पर वह एक समय में एक से अधिक फसल उत्पन्न कर लेता है। एक खेत पर गेहूँ, जौ, सोयाबीन, आदि फसलें को देखने को मिलती हैं। इसके साथ हरी सब्जी भी पैदा कर लेते हैं।

② — कम भूमि से कम भूमि पर अधिक से अधिक उत्पादन करने के लिए चीनी किसान गहरी खेती करते हैं।

③ — चीनी किसान आधुनिक रासायनिक खादों पर निर्भर नहीं रहता है। वह भूमि की उर्वरता बनाये रखने के लिए मल मूत्र ~~की~~ एवं गोबर की खादों का प्रयोग करता है।

④ — एक खेत पर एक वर्ष में तीन फसलें तथा एक फसल में अनेक उपजें करना चीनी किसान का एक अनोखी विशेषता है।

⑤ — भूमि का अधिकतम प्रयोग करने की दृष्टिकोण से चीनी किसान मेड़ों तथा बालू भूमि पर सब्जी फल तथा शहतूत की कृषि करता है।

⑥ — कृषि भूमि में विस्तार तथा मिट्टी कटाव रोकने के दृष्टिकोण से चीनी किसान ढालू भागों में सीढ़ी नुमा खेत बनाकर कृषि करता है।

⑦ — अयोग्य कृषि भूमि को कृषि योग्य बनाने के लिए चीनी किसान उपजाऊ तथा दलदली भागों से उपजाऊ मिट्टी लाकर बिछा देता है।

⑧ — चीनी किसान आज भी उत्पादन में वृद्धि करने तथा भूमि की उर्वरता की रक्षा के दृष्टिकोण से कृषि प्राचीन विधियों द्वारा करता है। कृषि में मशीनों के अलावा हल-बैलों की सहायता ली जाती है।

Scanned with CamScanner

प्रमुख फसलें

① **चावल :→** चावल चीन की जनसंख्या का प्रमुख भोजन है। चीन विश्व में सबसे अधिक 30% तथा एशिया का 35% चावल उत्पन्न करता है। यहाँ चावल कुल कृषि भूमि के 28% भाग पर की जाती है। **प्रमुख उत्पादक क्षेत्र :→** द० पू० तटीय प्रदेश, सेचवान बेसिन तथा यांगटिसिक्यांग का डेल्टा प्रदेश है। सीक्यांग नदी के डेल्टा प्रदेश में वर्ष में चावल की दो फसलें उत्पन्न की जाती हैं चीन में चावल का प्रति हेक्टेअर उपज जापान के बाद विश्व में सबसे अधिक है। यहाँ प्रति हेक्टेयर लगभग 1500 K.G है।

② **गेहूँ :→** चावल के बाद गेहूँ चीन की सबसे प्रमुख फसल है। चीन U.S.S.R. के बाद विश्व में सबसे अधिक गेहूँ उत्पन्न करता है। चीन विश्व का 12% और एशिया का 32% गेहूँ उत्पन्न करता है। यहाँ कृषि योग्य भूमि के 25% भाग पर गेहूँ की कृषि की जाती है। **प्रमुख उत्पादन क्षेत्र :→** हागहो तथा वीहो नदियों की घाटियाँ, उ० चीन के विशाल मैदानों में बसंत कालीन गेहूँ की कृषि की जाती है। मध्य चीन तथा यांगटिसीक्यांग घाटी में शरद कालीन गेहूँ की कृषि की जाती है। यहाँ गेहूँ का प्रति हेक्टर उपज 1500 KG है।

③ **सोयाबीन :→** सोयाबीन का प्रयोग चीन में तिलहन तथा खाद्य-पदार्थों के रूप में किया जाता है। चीन विश्व का सबसे अधिक सोयाबीन उत्पन्न करता है। इस फसल के अन्तर्गत कुल कृषि योग्य भूमि की 12% भाग पर की जाती है। इसकी खेती चीन के सभी भागों में की जाती है। **प्रमुख उत्पादन क्षेत्र :—** उ० चीन, तथा मंचूरिया प्रमुख है।

④ **चाय :→** चीन देश ही चाय की जन्म भूमि है। यह कृषि योग्य भूमि के लगभग 3% भाग पर बोयी जाती है। चीन से ही चाय की कृषि अन्य देशों में यहाँ से बीज ले जाकर की गयी। चीन विश्व का 21% चाय उत्पन्न करता है। **प्रमुख उत्पादन क्षेत्र :—** सेचवान बेसिन, यांगटिसीक्यांग की घाटी, द० पू० पर्वतीय भाग तथा पूर्वी तटीय प्रदेश।

⑤ **कपास :→** चीन विश्व का 11% कपास उत्पन्न करता है। यह उत्तरी चीन और मध्य चीन में अधिक होता है। जो वीहो नदी की घाटी, उ० चीन के विशाल मैदान, सेचवान बेसिन, मध्य यांगटिसीक्यांग की घाटी, लोयस का पठार

⑥ **रेशम :→** चीन जापान के बाद विश्व में सबसे अधिक रेशम उत्पन्न करता है। यह विश्व का 22% उत्पन्न करता है। **प्रमुख क्षेत्र :→** शान्टुंग प्रायद्वीप, सीक्यांग की घाटी, यांगटिसीक्यांग का बेसिन तथा सेचवान बेसिन

⑦ **तम्बाकू :→** चीन तम्बाकू उत्पादन करने में विश्व में द्वितीय और एशिया में प्रथम स्थान रखता है। यह अपनी आवश्यकता के लिए आयात भी करता है। – सीक्यांग, यांगटिसीक्यांग नदियों की उपजाऊ मिट्टी में

⑧ **ज्वार-बाजरा :→** यह उ० चीन में सबसे अधिक होता है। मंचूरिया

चीन में कृषि का उत्पादन

उपज	उत्पादन (ह०ट०)
चावल	142301
गेहूँ	54185
गन्ना	50820
जौ	23 480
सोयाबीन	14 627
कपास	2 267
तम्बाकु	1 132
चाय	340
मक्का	59 705
जई	1 010

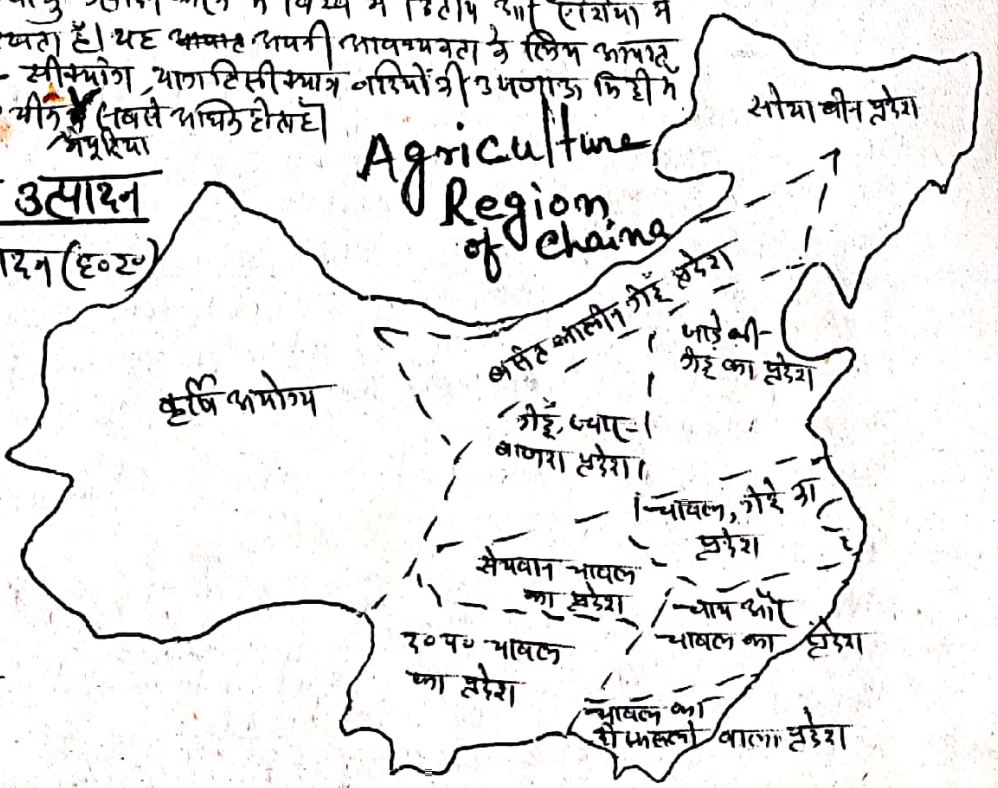

पाठ्य सामग्री

द्वितीय पत्र B.A. Part-I (Hon's)

(एशिया - प्रादेशिक अध्ययन)

Unit-III

चीन में खनिज का उत्पादन

786

Mineral of Chaina

चीन में किये गये सर्वेक्षण द्वारा यह पता लगाया गया है कि चीन में इतने खनिज भंडार नहीं है, जितनी की आशा की जाती थी। चीन में प्रमुख खनिज लोहा, ताम्बा, मैंगनीज इत्यादि की कमी है। यहाँ कोयला टंगस्टन सुरमा तथा टिन खनिज की अधिकता है। चीन में किये जाने वाली नयी खोजों से जो भंडारों का पता चला है वे इस प्रकार है।

1 - **कोयला :→** कोयला जो एक शक्ति का प्रमुख साधन है, चीन में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। चीन U.S.A., U.S.S.R. तथा Canada के बाद सबसे अधिक कोयला उत्पन्न करता है। यहाँ विश्व का 21% कोयला का भंडार है। यहाँ नवीनतम अनुमानों के अनुसार 1,50,000 करोड़ मीट्रिक टन कोयले का भंडार है। यहाँ की कोयले भंडार की विशेषता यह है कि यहा लगभग 78% भाग बिटूमिनस कोयला है। चीन में कोयला का उत्पादन में वृद्धि नयी सरकार की रचना के बाद हुई। चीन को कोयला उत्पादक राष्ट्रों में तीसरा स्थान है। यहाँ शान्सी और शेन्सी कोयला क्षेत्र देश का 75% भाग कोयले का उत्पादन करता है। इसके अलावे सेचवान, युन्नान, क्वीचाऊ, लिआओनिंग तथा पीपिंग प्रमुख क्षेत्र है।

2 - **लोहा :→** लोहा जो एक महत्वपूर्ण धातु है चीन में कम पाया जाता है। यहाँ लोहे का सुरक्षित भंडार 10,000 करोड़ मीट्रिक टन है। यहाँ प्रमुख उत्पादक क्षेत्र लिआओनिंग, हुपे, क्वान्टुंग, होनान, आन्तरिक मंगोलिया आदि है।

3 - **टंगस्टन :→** यह चीन का प्रमुख खनिज धातु है। चीन विश्व का 31% टंगस्टन उत्पन्न करता है। यह वुल्फ्राम धातु से उत्पन्न होता है। इसे लोहा और ताम्बे के साथ मिलाकर मजबूत एवं न जलने वाली बिजली के तार बनाये जाते है। यहाँ सबसे अधिक टंगस्टन उत्पादन करने वाला प्रान्त किआंग्सी है। इसके अलावे हुनान, क्वान्टुंग, युन्नान तथा क्वांग्सी है।

4 - **एण्टीमनी (सुरमा) :→** यह भी चीन का प्रमुख खनिज धातु है। चीन विश्व में सबसे अधिक सुरमा का उत्पादन करता है। यह विश्व का उत्पादन का लगभग 22% उत्पन्न करता है। यहाँ सुरमा सबसे अधिक सिक्यांगशान में पाया जाता है। इसके अलावे हुनान, क्वांग्टुंग, किआंग्सी तथा क्वीचाऊ में पाया जाता है।

5 - **ताम्बा :→** चीन में ताम्बा खनिज की कमी है। यह विश्व का केवल 2% ताम्बा उत्पन्न करता है। युन्नान प्रान्त चीन का सबसे अधिक ताम्बा उत्पन्न करता है। अन्य उत्पादन देशों में ~~युन्नान, क्वांग्सी तथा किआंग्सी~~ है। सेचवान तथा सिक्यांग है।

6 - **टिन :→** चीन मलेशिया तथा थाइलैंड के बाद विश्व की सबसे अधिक टिन उत्पन्न करता है। चीन में वार्षिक उत्पादन लगभग 25 हजार मीट्रिक टन है। यहाँ का प्रमुख उत्पादक क्षेत्र युन्नान, क्वांग्सी तथा किआंग्सी है।

7 - **खनिज तेल :→** चीन में लगभग 500 करोड़ मीट्रिक टन खनिज तेल का भण्डार भू-गर्भ में किया है। यहाँ का प्रमुख उत्पादक क्षेत्र सीदाम बेसिन, जुंगेरियन बेसिन, गोल्ड बेसिन एवं तुरफान बेसिन है।

8 - **जस्ता :→** यह हुनान तथा किरिन में पाया जाता है।

9 - **बाक्साइट :→** यह युन्नान तथा क्वान्टुंग में पाया जाता है।

10 - **मैंगनीज :→** यह क्वांग्सी तथा कान्टर में पाया जाता है।

Scanned with CamScanner

पारा :→ यह क्वीचाऊ में पाया जाता है।
चाँदी :→ यह हुनान तथा यून्नान में पाया जाता है।
नमक :→ यह सेचवान तथा चिंघाई में पाया जाता है।

चीन में खनिज उत्पादन (………)

प्रमुख खनिज	उत्पादन (हजार टन)
लोहा	31,570
कोयला	568,830
खनिज तेल	102,430
मैंगनीज	427
ताम्बा	138
टंगस्टन	14
एण्टीमनी	16